

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के
बी.ए./बी.काम./बी.एस.सी./बी.ए.बी.एड./बी.एफ.ए. के सेमेस्टर (2 एवं 4) के छात्रों हेतु
सी.बी.सी.एस. (CBCS) पाठ्यक्रम (प्रोग्राम) आधुनिक भारतीय भाषा-हिन्दी (ख)

आधुनिक भारतीय भाषा-हिन्दी (ख)

Modern Indian Language-Hindi (MIL)

संकलन एवं सम्पादन
डॉ. अवधेश कुमार एवं सौरभ सिंह

आधुनिक भारतीय भाषा-हिन्दी (ख)
Modern Indian Language-Hindi (MIL)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के
बी.ए./बी.काम./बी.एस.सी./बी.ए.बी.एड./बी.एफ.ए. के सेमेस्टर (2 एवं 4) के छात्रों हेतु
सी.बी.सी.एस. (CBCS) पाठ्यक्रम (प्रोग्राम) आधुनिक भारतीय भाषा-हिन्दी (ख)

संकलन एवं संपादन
डॉ. अवधेश कुमार एवं सौरभ सिंह



अमन प्रकाशन, सागर (म.प्र.)

आधुनिक भारतीय भाषा-हिन्दी (ख)

डॉ. अवधेश कुमार एवं सौरभ सिंह

© लेखकाधीन

ISBN - 978-93-80296-62-3

प्रथम संस्करण सन् - 2020

मूल्य - 200/-

प्रकाशक

अमन प्रकाशन

डॉ. पन्नालाल साहित्याचार्य मार्ग

कीर्ति स्तम्भ, सागर 470002 (म.प्र.)

मोबाइल नं. - 9826434225

दूरभाष - 07582 796373

ईमेल - ajayactive69@gmail.com

महान् दानवीर, शिक्षाविद्,
विधिवेत्ता, महामना डॉक्टर सर हरीसिंह गौर
को
सादर समर्पित !

प्रस्तावना

भाषा किसी भी प्राणी वर्ग का बौद्धिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि होती है। इसके बिना जीवन में नैतिकता के अंकुर विकसित नहीं हो सकते हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में आज भाषा की उपयोगिता और महत्ता पर अधिक जोर दिया जा रहा है। इसी विषयवस्तु को ध्यान में रखकर इस पुस्तक को संपादित किया जा रहा है। इस पुस्तक में दी गयी विषयवस्तु को डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश के बी.ए./बी.काम./बी.एस.सी./बी.ए.बी.एड./बी.एफ.ए. के सेमेस्टर (2 अथवा 4) के छात्रों हेतु सी.बी.सी.एस. (CBCS) पाठ्यक्रम (प्रोग्राम) (MIL) के तहत विषय आधुनिक भारतीय भाषा-हिन्दी (ख) के अनुरूप बनाया गया है।

इस पुस्तक में विश्वविद्यालय के छात्रों हेतु एम.आई.एल. विषय आधुनिक भारतीय भाषा-हिन्दी (ख) के पाठ्यक्रम में शामिल विषयवस्तु के निर्माण में अनेक पुस्तकों का सहारा लिया गया है। साथ-ही संपादकद्वय द्वारा इस विषयवस्तु की उपयोगिता को विवरणात्मक और आलोचनात्मक ढंग से मौलिक रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है, जो कि छात्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

इस पुस्तक के संकलन और सम्पादन हेतु डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर चन्दा बैन, प्रोफेसर आनन्दप्रकाश त्रिपाठी, वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. राजेन्द्र यादव, डॉ. विवेकानन्द उपाध्याय, डॉ. आशुतोष, डॉ. हिमांशु कुमार, डॉ. अरविन्द कुमार, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. अफरोज एवं डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय सहित अन्य लोगों का सुझाव एवं मार्गदर्शन हेतु आभारी हैं।

आधुनिक भारतीय भाषा-हिन्दी (ख) की विषयवस्तु को पाठ्यक्रम के अनुरूप सम्पादन एवं संकलन किया गया है। आशा है कि यह पुस्तक पाठकों को पसंद आयेगी। सुझाव ही सहयोग की पहली कड़ी है। अतः आपका सहयोग अपेक्षित है।

– संकलन एवं सम्पादक
डॉ. अवधेश कुमार एवं सौरभ सिंह

अनुक्रम

आधुनिक भारतीय भाषा-हिन्दी (ख)

हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास

इकाई - एक	हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय	11-24
इकाई - दो	कहानी : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ ठाकुर का कुआँ : प्रेमचंद तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम : फणीश्वरनाथ रेणु जंगल : चित्रा मुद्गल	25-61
इकाई - तीन	निबन्ध : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ उत्साह : आचार्य रामचंद्र शुक्ल भाषा बहता नीर : कुबेरनाथ राय	62-84
इकाई - चार	व्यंग्य : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई जीप पर सवार इल्लियाँ : शरद जोशी	85-95
इकाई - पांच	संस्मरण : पाठ, व्याख्या और आलोचनात्मक संदर्भ वसंत का अग्रदूत : अज्ञेय दमड़ी-दमड़ी माया जोड़ी - डॉ. हरीसिंह गौर : कांतिकुमार जैन	96-116

परीक्षा उपयोगी प्रश्न
संदर्भ सूची

“कर्म के मार्ग पर आनन्दपूर्वक चलता हुआ उत्साही मनुष्य यदि अन्तिम फल तक न भी पहुँचे तो भी उसकी दशा कर्म न करने वाले की अपेक्षा अधिकतर अवस्थाओं में अच्छी रहेगी; क्योंकि एक तो कर्म-काल में उसका जो जीवन बीता वह सन्तोष या आनन्द में बीता, उसके उपरान्त फल की अप्राप्ति पर भी उसे यह पछतावा न रहा कि मैंने प्रयत्न नहीं किया।”

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल



अमन प्रकाशन

डॉ. पन्नालाल साहित्याचार्य मार्ग

कीर्ति स्तम्भ, सागर-470 002 (म. प्र.)

दूरभाष : 07582-796373 मो. 9826434225

Email - ajayactive69@gmail.com

ISBN- 978-93-80296-62-3



₹ 200